c. अव praef. प्रति exadversum stare. Su. 3. 24.

c. अव praef. वि stare, adstare, versari, esse. Dev. 7. 2.: ददृशुस् ते ततो देवीम् ... व्यवस्थितां सिंहस्यो 'परि; Bh. 1. 20.: व्यवस्थितान् दृष्ट्वा धार्तराष्ट्रान्; 3. 34.: इन्द्रियस्ये 'न्द्रियस्या 'र्थे रागद्वेषौ व्यवस्थितौ; R. Schl. II. 23. 42. 41. 10. Man. 10. 68. — *Caus.* constituere, facere. Ragh. 14. 53.: व्यवस्थापितवाक् कथञ्चित्.

c. आ 1) adstare. N. 9. 8. 2) adire, accedere. N. 4. 4. 3) adscendere, e. c. currum, elephantum. Dr. 5. 12. Sa. 1. 36. A. 1. 7. 10. 29. 4) facere, exercere, efficere, parare, adhibere, assumere. N. 19. 22. Su. 1. 24. Sa. 1. 5. N. 18. 24. A. 3. 30. Bh. 3. 20. A. 3. 43.

c. आ praef. सम् *id.* Dr. 5. 14. Su. 2. 12. N. 20. 16. A. 3. 33.

c. उद् (उत्था, v. gr. 694.) surgere. Su. 4. 11. Sa. 5. 101. *Caus.* (उत्थापय्) facere ut quis surgat, juvare ad surgendum. Sa. 5. 101. *b.*

c. उद् praef. अनु (अनूत्था) post aliquem surgere. Ragh. 2. 24.: सुप्ताम् अनुसंविवेश सुप्तोत्थिताम् प्रातर् अनूदतिष्ठत्.

c. उद् praef. प्रति exadversum surgere. Man. 2. 119.

c. उद् praef. सम् (समुत्था) 1) surgere. Sa. 1. 8. 2) exoriri. Br. 1. 10.

c. उप 1) adstare, adesse. N. 15. 7. 10. 26. 14. R. Schl. II. 8. 10. Mah. 1. 8057.: उपतस्थिरे. 2) adire, accedere, appropinquare. N. 8. 25.: राजानम् उपतस्थे; Su. 4. 8.: वादित्रनृत्याभ्याम् उपातिष्ठन्त तौ स्त्रियः; R. Schl. I. 25. 4.: विश्वामित्रम् ... अभिवादयितुन् तत्र सहिताव् उपतस्थतुः; Mah. 3. 16509.: रथेनो 'पतस्थे रणे रामम्. — उपस्थित qui appropinquavit, accessit. N. 8. 10.: महद् भयम् उपस्थितम्; R. Schl. II. 51. 18.: तस्मिन् काले ह्य् उपस्थिते. — *Coitûs causâ* appropinquare (*Atm.*). Mah. 3. 10754.: ताम् उवाचे 'दम् उपतिष्ठस्व माम् इति. 3) *Atm.* colere, venerari, adorare *deos.* R. Schl. II. 95. 7.: आदित्यम् उपतिष्ठन्ते; Bhatt. 1. 3.: न त्र्यम्बकाद् अन्यम् उपास्थित. *Etiam P.* Mah. 3. 11847.: उद्यन्तम् आदित्यम् उपतिष्ठन्ति द्विजाः. 4) ministrare *alicui aliquid, c. acc. vel loc. pers. et instr. rei.* Ragh. 17. 10.: तत्रै 'नं ... कुम्भेषु सम्भृतैस् तीर्थवारिभिर् उपतस्थुः प्रकृतयः; Ur. 1. 9.: अहम् अस्याम् (परिषदि) ... नवत्रोटकेनो 'पस्थास्ये. — *Caus.* 1) collocare. R. Schl. II. 3. 18. 2) facere ut quid accedat, suppeditare. R. Schl. I. 26. 2.

c. उप praef. अभि adstare, adesse. *Pass.* Mah. 3. 16132.: सुग्रीवेणा 'भ्युपस्थितः.

c. उप praef. परि 1) circumstare. R. Schl. II. 64. 1. 2) adire, aggredi, appropinquare. Mah. 3. 13027.: युगान्ते पर्युपस्थिते.

c. उप praef. प्रति adire, aggredi, appropinquare. Mah. 3. 1920.

c. उप praef. सम् 1) adstare. Bh. 1. 28. 2) adire, accedere, appropinquare. Bh. 2. 2.

c. नि esse, versari, adesse. निष्ठित 1) qui est, versatur. Bh. 13. 17.: ज्ञानम् ... हृदि सर्वस्य निष्ठितम्. 2) versatus, peritus, gnarus, *c. loc.* R. Schl. I. 12. 6. 20. — परिनिष्ठित valde peritus. R. Schl. I. 9. 8.

c. प्र proficisci, procedere. N. 12. 1.: सा निहत्य मृगव्याधम् प्रतस्थे; Mah. 1. 5034.: प्रतस्थुर् गजसाह्वयम्; 1. 6437. — प्रस्थित proficiscens. N. 17. 35.: प्रस्थिताः स्मे 'त्य् अथा 'ब्रुवन्; Sa. 4. 25. A. 5. 18. Profectus. In. 5. 5.: निर्गम्य चन्द्रोदयने ... प्रस्थिता सा ... पार्थस्य भवनम् प्रति. *Caus.* mittere. N. 21. 35. Br. 2. 30.

c. प्र praef. प्रति + अभि (प्रत्यभिप्रस्था) proficisci. Mah. 1. 683.

c. प्र praef. वि 1) proficisci. Mah. 1. 6594. 3. 15218.: विप्रतस्थे; 1. 8140.: विप्रतस्थुः. 2) se extendere, se diffundere. Mah. 1. 3709.: तस्माद् भारतवंशस्य विप्रतस्थे महद् यशः.

c. प्र praef. सम् proficisci. Mah. 1. 4644. 5634. 8306. — सम्प्रस्थित proficiscens. R. Schl. II. 38. 13. Profectus. Mah. 3. 8540.

c. प्रति stare, morari, versari, esse. Mah. 3. 224. — प्रतिष्ठित 1) stans etc. Sa. 5. 88.: त्वयि वंशः प्रतिष्ठितः;